विज्ञान में महिलाओं की भागीदारी

28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता है। वास्तव में, यह दिवस वैज्ञानिक सोच, नवाचार (इनोवेशन) और सतत विकास (सस्टेनेबल डेवलपमेंट) में विज्ञान की भूमिका को प्रोत्साहित करने का महत्वपूर्ण अवसर है। कहना गलत नहीं होगा कि यह दिन देश में वैज्ञानिक संस्कृति को बढ़ावा देने का एक सशक्त मंच है। विज्ञान मानव जीवन को सरल, सुरक्षित और सुविधाजनक बनाता है। यह अंधविश्वास और रूढ़ियों को दूर कर तर्क, सत्य और वैज्ञानिक दृष्टिकोण का मार्ग प्रशस्त करता है।

आज स्वास्थ्य, संचार, परिवहन और कृषि जैसे क्षेत्रों में विज्ञान ने क्रांतिकारी परिवर्तन किए हैं। नई-नई तकनीकों के विकास से समय और श्रम की बचत हुई है तथा जीवन की गुणवत्ता में सुधार आया है। प्राकृतिक घटनाओं के रहस्यों को समझने में भी विज्ञान हमारी सहायता करता है। निस्संदेह, विज्ञान देश की प्रगति और आर्थिक विकास का आधार है। शिक्षा और अनुसंधान के माध्यम से यह नवाचार को निरंतर गति प्रदान करता है। वास्तव में विज्ञान मानव सभ्यता के उज्ज्वल भविष्य की सुदृढ़ नींव है।

बिजली, इंटरनेट, मोबाइल फोन और आधुनिक परिवहन साधन-ये सभी विज्ञान की ही देन हैं। चिकित्सा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में विज्ञान के कारण अभूतपूर्व प्रगति हुई है और अनेक गंभीर रोगों का उपचार संभव हो पाया है। कृषि क्षेत्र में हरित क्रांति, उन्नत बीज, उर्वरक, आधुनिक सिंचाई तकनीक और कृषि मशीनरी ने उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि की है। इंटरनेट, उपग्रह, सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म ने सूचना को सुलभ बना दिया है। शिक्षा के क्षेत्र में ऑनलाइन कक्षाएँ और डिजिटल पुस्तकालय ज्ञान के प्रसार को सरल बना रहे हैं। स्पष्ट है कि संचार और सूचना क्रांति विज्ञान के कारण ही संभव हो सकी है।आज अंतरिक्ष अनुसंधान और औद्योगिक विकास के क्षेत्र में निरंतर प्रगति हो रही है।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस केवल वैज्ञानिक उपलब्धियों का उत्सव नहीं, बल्कि वैज्ञानिक सोच, जिज्ञासा और नवाचार को बढ़ावा देने का अवसर भी है। यह दिवस हमें याद दिलाता है कि विज्ञान मानव जीवन को बेहतर बनाने का सबसे सशक्त माध्यम है।

यह दिन महान भारतीय वैज्ञानिक सी. वी. रमन द्वारा 28 फरवरी 1928 को 'रमन प्रभाव' की खोज की स्मृति में मनाया जाता है। इस खोज के लिए उन्हें वर्ष 1930 में भौतिकी का नोबेल पुरस्कार प्रदान किया गया। गौरतलब है कि वे विज्ञान के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने वाले प्रथम एशियाई वैज्ञानिक थे। वर्ष 1929 में ब्रिटिश सरकार ने उन्हें 'नाइट' की उपाधि से सम्मानित किया था। बाद में वर्ष 1954 में उन्हें भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' से भी अलंकृत किया गया।

रमन प्रभाव उस भौतिक घटना को कहते हैं, जिसमें एकरंगी प्रकाश जब किसी पारदर्शी पदार्थ (जैसे जल या काँच) से होकर गुजरता है, तो उसका एक छोटा-सा भाग अपनी तरंगदैर्ध्य में परिवर्तन कर लेता है। यह परिवर्तन पदार्थ के अणुओं के साथ प्रकाश की पारस्परिक क्रिया के कारण होता है। इस प्रक्रिया को 'रमन प्रकीर्णन' भी कहा जाता है। सरल शब्दों में, जब प्रकाश की किरणें किसी पदार्थ से टकराकर अपनी ऊर्जा में थोड़ा परिवर्तन कर लेती हैं, तो उसी घटना को रमन प्रभाव कहा जाता है।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की शुरुआत राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद की पहल पर हुई। वर्ष 1986 में परिषद ने भारत सरकार को प्रस्ताव दिया कि 28 फरवरी को विज्ञान दिवस के रूप में मनाया जाए। सरकार ने प्रस्ताव स्वीकार किया और 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस घोषित किया। पहली बार यह दिवस वर्ष 1987 में मनाया गया। इस दिन देशभर में विज्ञान प्रदर्शनियाँ, सेमिनार, कार्यशालाएँ, क्विज़ प्रतियोगिताएँ और जागरूकता कार्यक्रम आदि आयोजित किए जाते हैं। इसका उद्देश्य विज्ञान को आम जनजीवन से जोड़ना, युवाओं में वैज्ञानिक सोच विकसित करना, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा उन्हें विज्ञान के क्षेत्र में करियर बनाने के लिए प्रेरित करना है। साथ ही, यह विभिन्न वैज्ञानिक उपलब्धियों और शोध कार्यों को सम्मानित करने का भी अवसर प्रदान करता है।

महू के मंदिरों में मनाया फाग उत्सव

महू (इंदौर समाचार) महू में इन दोनों होली के अंतर्गत मनाया जाने वाला फाग उत्सव मनाया जा रहा है ।

महू के मोती चौक स्थित मुरली मनोहर मंदिर में मनाया गया फाग उत्सव, भगवान के भजनों के साथ रंग गुलाल और फूलों के साथ महिलाओं ने नृत्य तथा सु -मधुर भजनों की प्रस्तुतियां दी । अंत में फलहार प्रसादी का वितरण किया गया।

कार्टून कोना...

सीमंधर स्वामी जिनालय जती कॉलोनी पर कल सुबह पालीताणा पहाड़ की प्रतिकृति की साक्षी में होगी गिरिराज भाव तीर्थ यात्रा

इंदौर। जती कॉलोनी, रामबाग स्थित सीमंधर स्वामी जिनालय पर रविवार 1 मार्च को फागुन सुदी तेरस पर सुबह 8.30 बजे स्नात्र पूजन एवं 9 बजे से श्री गिरिराज भाव तीर्थ यात्रा का दिव्य आयोजन आगम-प्रशम ब्रजरत्न सागर म.सा. की पावन निश्रा में होगा।

इस अवसर पर जिनालय पर पालीताणा पहाड़ की प्रतिकृति का निर्माण भी किया गया है जिसकी साक्षी में हजारों भक्त इस भाव यात्रा का श्रवण कर फागुनी तेरस का उत्सव मनाएंगे।

इस शुभ प्रसंग पर प.पू. साध्वी दमिताश्रीजी म.सा., प.पू. साध्वी चारूधर्माश्रीजी एवं प.पू. दिव्ययशाश्रीजी म.सा. सहित शहर में विराजित साधु-साध्वी-भगवंतों की निश्रा भी प्राप्त होगी।

अबुंद गिरिराज जैन श्वेताम्बर तपागच्छ उपाश्रय ट्रस्ट पीपली बाजार के अध्यक्ष पारस बोहरा, कार्याध्यक्ष पुण्यपाल सुराना एवं सचिव दिलीप मंडोवरा ने बताया कि फागुन सुदी तेरस पर शत्रुंजय तीर्थराज की यात्रा एवं दर्शनों का पौराणिक महत्व माना गया है। जैन श्वेताम्बर समाज में फागुन तेरस को बड़ा त्यौहार माना जाता है। गुजरात के पालीताणा तीर्थ में इस दिन असंख्य मुनियों ने मोक्ष प्राप्त किया था। इस उपलक्ष्य में देशभर से आए लाखों लोग वहां 27 किलोमीटर की 6 गांवों की यात्रा बड़े उत्साह एवं भक्ति भाव के साथ करते हैं लेकिन अनेक लोग पालीताणा नहीं जा पाते हैं इसलिए ट्रस्ट

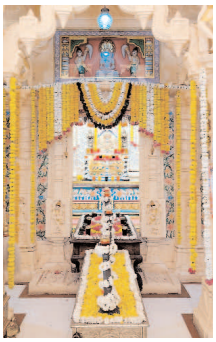

की ओर से रविवार को जती कॉलोनी स्थित जिनालय पर शत्रुंजय तीर्थ की भाव यात्रा का दिव्य आयोजन किया जा रहा है।

गिरिराज, शत्रुंजय, सिद्धांचल तीर्थ एवं पालीताणा एक ही स्थान के नाम है। कार्यक्रम संयोजक शेखर गेलडा एवं कैलाश नाहर ने बताया कि इस अवसर पर भाव यात्रा के बाद पाल भक्ति का आयोजन भी जिनालय पर होगा जिसमें प्रभावना स्वरूप विभिन्न व्यंजनों के स्टाल लगाए जाते हैं। पाल भक्ति एवं संघ पूजन के लाभार्थी विपिन-प्रियंका एवं श्रेयांस कोचर महिदपुर वाले होंगे।

आजाद के बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि दी

देवास,अतिमयादव। अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस पर श्री यशवंत व्यायाम शाला एवं अमर बलिदानी चंद्रशेखर आजाद स्मृति समिति के तत्वावधान में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर समिति के सदस्यों ने आजाद जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए तथा उनके अदम्य साहस और देशभक्ति को नमन किया और उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। इस दौरान भेरू सिंह चौधरी, अशोक गायकवाड, संजय पानसरे, अनिल सिंह बेस, गुरुचरण पहलवान आदि सहित सदस्य उपस्थित रहे।

वृद्धाश्रम में बरसा फाग का रंग, बुजुर्गों के चेहरे पर खिली मुस्कान

राधा-कृष्ण संग जमकर थिरके पैर

इंदौर । शहर पश्चिमी क्षेत्र एरोड्रम रोड़ स्थित राजशांति आशियाना वृद्धाश्रम में फाल्गुन की मस्ती और भक्ति का अनूठा संगम देखने को मिला। आश्रम परिसर में आयोजित %फाग महोत्सव% के दौरान बुजुर्गों ने अपनी सुध-बुध भूलकर होली के गीत और रासलीला का आनंद लिया।

भक्ति और उल्लास का संगम

महोत्सव की शुरुआत भगवान राधा-कृष्ण की मनमोहक रासलीला से हुई। फूलों की होली और फाग गीतों के बीच पूरा वातावरण %राधे-राधे% के उद्घोष से गुंजायमान हो उठा। आश्रम में रहने वाले बुजुर्ग महिला एवं पुरुषों ने, न केवल इन

प्रस्तुतियों का आनंद लिया, बल्कि भक्ति भाव में डूबकर महिलाओं ने राधा-कृष्ण के स्वरूपों के साथ जमकर नृत्य भी किया।

राज शांति आशियाना वृद्धाश्रम की अधीक्षिका श्रीमती रेखा सुराना की अनूठी पहल पर कार्यक्रम का सफल आयोजित हुआ।

उन्होंने बताया कि इस तरह के आयोजनों का मुख्य उद्देश्य आश्रम के बुजुर्गों को एकांकीपन से दूर रखना और उन्हें समाज की मुख्यधारा व त्योहारों की खुशियों से जोड़ना है।

वृद्धाश्रम में रह रहे बुजुर्ग हमारे परिवार का हिस्सा हैं। त्योहारों के माध्यम से हम उनके जीवन में खुशियों के रंग भरने का प्रयास करते हैं, ताकि वे खुद को अकेला महसूस न करें।»

कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण में राधा-कृष्ण के स्वरूपों द्वारा प्रस्तुत नृत्य ने सभी का मन मोह लिया।

इस अवसर पर पारंपरिक होली गीतों पर बुजुर्गों ने तालियाँ बजाकर उत्साह बढ़ाया। वही गुलाल के साथ-साथ फूलों की वर्षा कर पर्यावरण अनुकूल होली मनाई गई।

इस अवसर पर शहर के कई गणमान्य नागरिक और सामाजिक महिला कार्यकर्ता भी उपस्थित रही, जिन्होंने बुजुर्गों के साथ समय बिताकर उत्सव का आनंद लिया।

कार्यक्रम का सफल संचालन सुश्री जया शेट्टी ने एवं आभार श्रीमती रेखा सुराना ने माना।

प.पू. मुनि श्री आदित्य सागर म.सा. को चातुर्मास हेतु श्रीफल अर्पित, 10 मार्च को मंगल प्रवेश की तैयारियां

इंदौर। अंजनि नगर, एयरपोर्ट रोड स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन पंचायती मंदिर एवं दिगम्बर जैन सामाजिक संसद की ओर से शुक्रवार को रतलाम-सैलाना के मध्य विहार के दौरान प.पू. आचार्य श्री विशुद्धसागर म.सा. के कुलदीपक श्रुत संवेगी मुनि श्री आदित्य सागर म.सा. को वर्ष 2026 के मंगल चातुर्मास के लिए श्रीफल अर्पित कर इंदौर पधारने का आत्मीय आमंत्रण दिया गया। इस मंगल प्रसंग पर अंजनि नगर समाज के अध्यक्ष एवं सामाजिक संसद के महामंत्री देवेन्द्र सोगानी, उपाध्यक्ष ऋषभ पाटनी, जीतेन्द्र पाटोदी, अक्षय काला, नितिन पाटोदी, चिराग गोधा, अतिशय जैन, गोली जैन, निलेश मोदी, लोकेश जैन, प्रदीप बिलाला सहित बड़ी संख्या में लीट्स कॉलोनी, छत्रपति नगर, सुदामा नगर, राजेंद्र नगर, नरीमन सिटी एवं महिमा सिटी सहित एयरपोर्ट क्षेत्र के समाज बंधु उपस्थित थे। प. पू मुनिराज आदित्य सागर म.सा. ने श्रीफल सहर्ष स्वीकार करते हुए गुरु आज्ञा से इंदौर चातुर्मास संपन्न कराने का संकल्प व्यक्त किया। मंदिर पर इन दिनों मुनिराज की प्रेरणा से अष्टान्हिका महापर्व के अंतर्गत नंदीश्वर दीप विधान चल रहा है जिसमें शुक्रवार को चौथे दिन विधान संयोजक संजय मोदी, अशोक टोंग्या एवं चन्द्रकुमार वोधा के संयोजकत्व में पूजा अर्चना की गई।

भगवान की लीलाओं के दर्शन एवं श्रवण से दूर होते हैं मन के विकार

इंदौर, 27 फरवरी। हमारे धर्मग्रंथ सुषुप्त समाज को जागृत एवं चैतन्य बनाते हैं। मनुष्य का जीवन हमें केवल पशुओं की तरह व्यवहार करने के लिए नहीं, बल्कि सदभाव, परमार्थ और सेवा करूणा जैसे प्रकल्पों के लिए भी मिला है। भगवान अनुभूति का विषय है। हृदय में पवित्र संकल्प आयेंगे तो विचारों का प्रवाह भी निर्मल हो जाएगा। भगवान की लीलाओं के दर्शन एवं श्रवण से मन के विकार दूर होते हैं और शरीर की इन्द्रियों पर सात्विक प्रभाव होता है। आत्मा और परमात्मा का मिलन है कृष्ण-रूक्मणी विवाह।

ये दिव्य विचार हैं मालवा के प्रख्यात भागवत मर्मज्ञ आचार्य पं. ब्रजकिशोर नागर के, जो उन्होंने शुक्रवार को धार रोड स्थित धरावरा धाम आश्रम पर महंत शुकदेव दास महाराज के सान्निध्य में चल रहे मानस सम्मेलन एवं भागवत ज्ञान यज्ञ में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। कथा में कृष्ण-रुक्मणी विवाह का उत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान

प्रसंग के पश्चात समापन समारोह होगा। इस अवसर पर कथा व्यास पं. नागर का सम्मान मनोहारी भजनों पर समूचा पंडाल थिरक उठा। व्यास पीठ का पूजन नानूराम चौधरी के साथ ललित अग्रवाल, राजेंद्र गर्ग समर्पण, रेखा श्रीकांत शर्मा, डॉ. सुरेश चोपड़ा, देवेन्द्र सांखला, गोविन्द मंगल, सीताराम नरेडी, गोपाल गोयल, अशोक कुमावत आदि ने किया। कथा में शनिवार को दोपहर 1 से 5 बजे के बीच कृष्ण-सुदामा मैत्री किया जाएगा।

पं. नागर ने कहा कि भगवान को धन सम्पत्ति नहीं, मन के श्रेष्ठ भाव चाहिए। वे छप्पन भोग के नहीं, हमारे प्रेम की भावना के भूखे हैं। रूक्मणी मंगल प्रसंग हमारी भारतीय संस्कृति और मर्यादा का गौरवशाली उजला पक्ष है। रूक्मणी विवाह आत्मा और परमात्मा के मिलन का प्रतीक है। कृष्ण योगेश्वर, लीलाधर और नटवर की यही विशेषता है कि वे कृपा वर्षा करते भी हैं तो पता ही नहीं चलते देते। हमारी सभी देवी-देवता प्राणियों के उद्धार के लिए ही अवतरित होते हैं।

मुनि श्री आदित्य सागर जी को इंदौर वर्षायोग हेतु श्रीफल भेट किये

इंदौर। श्रमण संस्कृति के महा श्रमण पट्टाचार्यश्री विशुद्ध सागर जी महाराज के कुलदीपक शिष्य श्रुत संवेगी मुनि श्री आदित्य सागर जी महाराज मुनि श्री अप्रमित सागर जी मुनि श्री सहज सागर जी छुल्लक श्री श्रेयस सागर जी ससंघ को आज विहार के दौरान सेलाना के समीप मकरोनिया ग्राम में अंजनी नगर दिगंबर जैन समाज इंदौर के अध्यक्ष देवेंद्र सोगानी के नेतृत्व में दिगंबर जैन समाज पश्चिम क्षेत्र इंदौर के मुनि भक्तों ऋषभ पाटनी चिराग गोधा, प्रदीप बिलाला, निलेश मोदी, अक्षय काला नितिन पाटौदी आदि ने इंदौर नगर में चातुर्मास करने की भावना भाते हुए मुनि श्री आदित्य सागरजी ससंघ को श्रीफल भेंट कर वर्ष 2026 का चातुर्मास इंदौर के पश्चिम क्षेत्र में करने का निवेदन किया।

धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि पूज्य गुरुदेव ने श्रीफल सहर्ष स्वीकार किया एवं गुरु आज्ञा मिलने के उपरांत चातुर्मास इंदौर नगर में करने का संकेत दिया।

इस अवसर पर अंजनी नगर ,छत्रपतिनगर,लीडस् सुदामा नगर, राजेंद्रनगर नरीमन सिटी अंबिकापुरीआदि कॉलोनियों के समाजजन भी उपस्थित। थे। नमोस्तु शासन जयवंत हो।

नगर पालिका परिषद्, मन्दसौर (म.प्र.) GANDHI SQUARE, MANDSAUR
MUNICIPAL COUNCIL, MANDSAUR (M.P.)
E-MAIL-cmomandsaur@mpurban.gov.in
Website- www.nagarpalikamandsaur.com

क्रमांक- 797/ऑनलाइन निविदा/लो.नि./2026 मंदसौर दिनांक 27/02/2026

:: ऑनलाईन (Online) निविदा (प्रथम) आमंत्रण सूचना ::

सर्व संबंधित को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद, मन्दसौर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-टेण्डरिंग (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	टेण्डर नम्बर	कार्य का नाम	प्राक्कलन राशि (लाख में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य
1	2	3	4	5	6
1	2026_UAD_485480_1	स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के अंतर्गत वर्ष 2026 तक के गीले और सूखे अपशिष्ट के प्रसंस्करण हेतु आवश्यक संयंत्रों की स्थापना एवं गीले कचरे के लिए कम्पोस्ट पिट टैंक बनाना (आवश्यक उपकरणों सहित) एवं संचालन, संधारण कार्य सहित	4,74,52,500.00	2,37,262.00	15,000/-

शर्तें
01. इच्छुक दरदाता कार्य की विस्तृत निविदा वेबसाईट https://mptenders gov.in पर देख सकते हैं। निविदा में दी गई शर्तों का पालन करना अनिवार्य होगा।
02. ऑनलाईन निविदा डाउनलोड करने एवं निविदा प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित तिथियां वेबसाईट पर अपलोड किए गए टेंडर की key dates अनुसार रहेगी।
03. यदि निविदा में किसी प्रकार का संशोधन होता है तो वह वेबसाईट पर ही प्रदर्शित होगा। जिसका अलग से समाचार पत्रों में प्रकाशन नही कराया जावेगा।

श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर अध्यक्ष नगर पालिका परिषद मंदसौर
श्रीमती नम्रता प्रितेश चावला उपाध्यक्ष नगर पालिका परिषद मन्दसौर
श्रीमती निर्मला नरेश चंदवानी सभापति (लो.नि.) नगर पालिका परिषद मन्दसौर
प्रेम कुमार सुमन मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पालिका परिषद मन्दसौर